

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मैं दूसरों को शांति का फल
तभी दे सकता हूँ जब मैं
अपने भीतर शांति के बीज
को छूता हूँ, जो कि मैं हूँ।



BRAHMA KUMARIS

मैं कौन हूँ, दूसरों को
होने की शक्ति देता
हूँ: शांतिपूर्ण।
प्यारी...



SAMARPAN

समर्पण और सर्वस्व त्यागी किसको कहा जाता है? जो विकारों के सर्व-वंश का भी त्याग करने वाले हैं। मोटे रूप में तो विकारों का त्याग हो जाता है, लेकिन विकारों का वंश अति सूक्ष्म है, उसका वंश-सहित त्याग करने वाले ही महारथी अर्थात् सर्वस्व त्यागी होगा। जब यहाँ वंश-सहित सब विकारों का त्याग करते हैं तो वहाँ 21 वंश-सहित निर्विघ्न और निर्विकार पीढ़ी चलती हैं। आधा कल्प दैवी-वंश चलता है और आधा कल्प विकारों का शूद्र वंश भी बढ़ता जाता है। तो इस वंश को समाप्त करने वाले ही इक्कीस वंश-सहित अपना दैवी राज्य भाग्य प्राप्त करते हैं। अगर वंश के त्याग करते समय थोड़ी भी कमी रह जाती है तो वहाँ भी इक्कीस वंश में थोड़ी कमी रह जायेगी। महारथी की यह निशानी है कि जब सर्वस्व-अर्पण कर दिया तो उसमें तन-मन-धन, सम्पत्ति, समय, सम्बन्ध और सम्पर्क भी सब अर्पण किया ना? अगर समय भी अपने प्रति लगाया और बाप की याद या बाप के कर्त्तव्य में नहीं लगाया, तो जितना समय अपने प्रति लगाया, तो उतना समय कट हो गया। जैसे भक्ति-मार्ग में भी दान की हुई वस्तु अपने प्रति नहीं लगाते हैं, ठीक इसी प्रकार, यहाँ भी हिसाब-किताब है। स्वयं की कमजोरी प्रति व स्वयं के पुरुषार्थ के प्रति वस्तु लगाना, यह जैसे कि 'अमानत में ख्यानत' हो जाती है। ऐसा महीन पुरुषार्थ महारथी की निशानी है। महारथियों को तो अब अपना सब-कुछ विश्व के कल्याण में लगाना है तब तो महादानी और वरदानी कहा जायेगा। महारथी की स्टेज का प्रभाव ऐसा रहेगा, जैसे कि लाइट हाउस का प्रभाव दूर से ही नज़र आता है और वह चारों तरफ फैलती है। लेकिन कार्य व्यवहार में जो भी अनुभवी होते हैं, तो उसका भी प्रभाव उनकी सूरत और सीरत से पता पड़ता है। अब महारथियों और महावीरों का ऐसा प्रभाव पड़ना चाहिये। सूरत से ही अक्ल का अनुभव होगा अब इन निशानियों से ही समझो कि हमारा नम्बर कहाँ पर होगा? अच्छा।
सदा सहयोगी एवं सहज योगी बनो।--06-02-1974

Vidhi Se Siddhi



ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

दुआयें दो और
दुआयें लो
यही श्रेष्ठ पुरुषार्थ है

Om Shanti

Join Brahma Kumaris

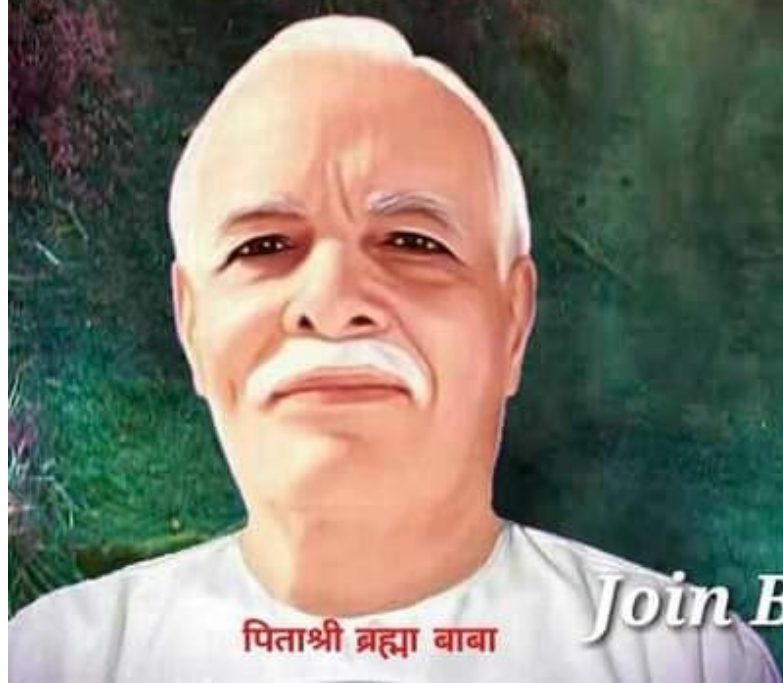
पिताश्री ब्रह्मा बाबा

आप सब अनादि रूप में हो ही
उड़ने वाले, लेकिन बोझ के कारण
उड़ता पंछी के बजाए
पिंजड़े के पंछी बन गये हो
अब फिर से अनादि संस्कार इमर्ज करो
अर्थात् फरिश्ते रूप में स्थित रहो,
उड़ता पंछी बनेंगे तो
परिस्थितियां नीचे और
आप ऊपर हो जायेंगे
यही सर्व समस्याओं का
समाधान है



ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti



पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris



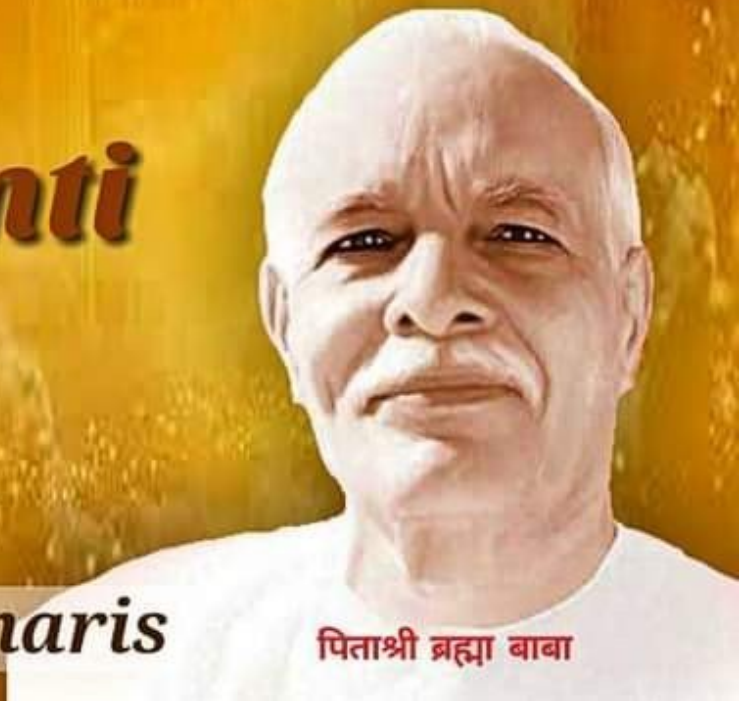
ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

कालों का काल
महाकाल (शिवबाबा) आया है
तुम सबको वापिस ले जाने,
इसलिए शिवबाबा की याद से
विकर्मों का बोझा खत्म करो,
अपनी देह से मोह निकाल दो

Om Shanti

Join Brahma Kumaris

पिताश्री ब्रह्मा बाबा



घर का गेट खोलने की विधि

बापदादा- 19-02-2012

विशेष दीदी दादी कह रही थी कि हमारी सखियों को, भाईयों को हमारे तरफ से यही कहना कि घर चलने के लिए कौन सी तारीख फिक्स की है? सब इकट्ठे चलेंगे ना! अलग-अलग तो नहीं जायेंगे? दरवाजा खोलने के लिए सभी इकट्ठे हाज़िर हो जायेंगे। तो वह डेट मांग रहे थे। बापदादा मुस्कराये क्योंकि बाप भी चाहते हैं कि अभी गेट को खोलने के लिए सभी बच्चों को बेहद की वैराग्य वृत्ति चाहिए। यही चाबी है गेट खोलने की। बापदादा तो सदा कहते रहते हैं कि बेहद के वैरागी बन वेस्ट संकल्प और वेस्ट समय दोनों को मिलकर जल्दी से जल्दी त्याग करना अर्थात् बेहद के वैरागी बनना क्योंकि बापदादा ने देखा है कि सबसे बड़ा विघ्न देह अभिमान है। इस देह अभिमान को त्यागना चलते-फिरते देही अभिमानी बनना, यही बेहद का वैराग्य है।



Never disagree with anyone.
Our word and deed should be equal.





Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org